सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, मंगलवार, 29 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 202, पृष्ठः 8+4

प्रधानमंत्री मोदी ने देवघर में हुए सड़क हादसे में हुई मौत पर जताया दुख

इनसाइड पहले पीएमश्री विद्यालय का दर्जा मिला... » Pg 04

» Pg 12

संसद में बोले अमित शाह, हमने आतंकी भेजने वाले और हमला करने वाले दोनों को मार गिराया

आपरेशन महादेव की खबर सुनकर विपक्षी दलों के चेहरे पर पड़े स्याह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव पर जानकारी देते हुए बताया कि पहलगाम हमले के आतंकियों को ढेर कर दिया गया है। संसद के मानसून सत्र में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा का दिन है। सोमवार को इस मामले पर 16 घंटे तक चर्चा हुई। दोपहर शरू हुई सदन की कार्यवाही रात को 1 बजकर करीब 52 मिनट तक चली। आज भी सदन का माहौल गर्म दिख रहा है। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा आज भी जारी है। पीएम मोदी शाम 7 बजे सदन को संबोधित करते हुए समापन भाषण देंगे।

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बताया कि सुलेमान लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर था, जो गगनगीर आतंकी हमले में शामिल था। इसके सारे सबूत एजेंसियों के पास हैं। आतंकी अफगान और जिबरान,

लश्कर के 'ए' श्रेणी के आतंकी थे। अमित शाह ने स्पष्ट तौर पर कहा कि तीनों आतंकवादी बैसरन घाटी हमले में शामिल थे।

पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकवादियों को भारतीय सेना ने मार गिराया है। इसका ऐलान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में किया। बताया कि कैसे 'ऑपरेशन महादेव' ने आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया। सदन में शाह ने बताया कि सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस ने 'ऑपरेशन महादेव' के जरिए तीन आतंकवादियों को मारा है, जिनमें सुलेमान उर्फ फैजल, अफगान और जिबरान शामिल हैं। इसके साथ ही लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सुरक्षाबलों ने 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया।'

अमित शाह ने सदन में क्या कुछ कहा? : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद, हमारे डीजीएमओ ने पाक डीजीएमओ को बताया कि भारत ने आत्मरक्षा के अपने अधिकार के तहत उनकी जमीन पर आतंकी ढांचे पर हमला किया है। यह मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान जैसा हुआ वैसा नहीं हो सकता कि आतंकवादी आएं और हमें मार दें और हम चुपचाप बैठे रहें।' उन्होंने ने कहा कि आतंकवादियों को भेजने वालों को हमला करने वालों को मार गिराया... मुझे लगा था कि यह खबर सुनकर सत्ताधारी और विपक्षी दलों में खुशी की लहर दौड़ जाएगी, 'मगर स्याही पड़ गई इनके चेहरे पर' यह कैसी राजनीति है? पहलगाम हमले के बाद 23 अप्रैल को एक सुरक्षा मीटिंग की गई। सबसे पहले फैसला लिया गया कि आतंकी देश छोड़कर भाग न पाएं। इसकी पूरी पुख्ता व्यवस्था की और आतंकियों को भागने नहीं दिया।

कांग्रेस को घेरा

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'मुझे बहुत दुख हुआ कि कल इस देश के पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम जी ने सवाल उठाया कि क्या सबूत है कि ये आतंकी पाकिस्तान से आए थे, वे क्या कहना चाहते हैं? किसे बचाना चाहते हैं? पाकिस्तान को बचाकर आपको क्या मिलेगा?... हमारे पास सबूत है कि ये तीनों पाकिस्तानी थे। हमारे पास उन दोनों के वोटर आईडी नंबर हैं... उनके पास से बरामद चॉकलेट पाकिस्तान में बनी हैं... इस देश के पूर्व गृह मंत्री पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहे हैं। अगर वे पाकिस्तानी नहीं थे, तो चिदंबरम ये सवाल भी उठा रहे हैं कि पाकिस्तान पर हमला क्यों हुआ... 130 करोड़ लोग पाकिस्तान को बचाने की उनकी साजिश देख रहे हैं...' लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कल गौरव गोगोई ने कहा कि मोदी जी 24 अप्रैल को पहलगाम की बजाय बिहार गए थे। पहलगाम हमले के समय मोदी जी विदेश में थे। जिस दिन मोदी जी बिहार गए, उस दिन पहलगाम में सिर्फ राहुल गांधी थे और कोई नहीं...अगर देश के नागरिकों पर ऐसा हमला होता है तो प्रधानमंत्री का कर्तव्य है कि वे इसका करारा जवाब दें...।

दुखद

झारखंड के देवघर में बस और ट्रक की टक्कर से हुआ बड़ा हादसा

दुर्घटनाः 18 कांवड़ियों की दर्दनाक मौत, राहत कार्य में जुटा प्रशासन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

देवघर। झारखंड के देवघर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां बस और ट्रक की टक्कर में कई कांवड़ियों की मौत हो गई है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने 18 लोगों की मौत की पुष्टि की है। इस हादसे के बाद इलाके में मातम पसर गया।

झारखंड में श्रावण मास में बाबा बैद्यनाथ धाम में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। देवघर-बासुकीनाथ मुख्य पथ पर स्थित जमुनिया चौक के पास कांवड़ियों से भरी एक बस और ट्रक की भीषण टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 18 कांवड़ियों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों श्रद्धालु घायल हुए हैं। कुछ रिपोर्टों में मृतकों की संख्या 9 व 30 से अधिक घायलों का जिक्र है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है

सांसद निशिकांत दुबे ने की 18 लोगों की मौत की पुष्टि : सांसद निशिकांत दुबे ने ट्वीट किया है कि 'मेरे लोकसभा के देवघर में श्रावण मास में कांवड़यात्रा के दौरान बस और ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। बाबा बैद्यनाथ जी उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।'घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और एंबुलेंस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। सभी घायलों को देवघर के विभिन्न अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य जारी है।

देवकली मोड़ पर स्कूटी-बाइक भिड़ंत, मासूम समेत पांच घायल

» बच्चे को संभालने में अनियंत्रित हुई स्कूटी, बाइक सवार भी चपेट में

» हालत गंभीर, सभी को जिला अस्पताल कानपुर रेफर किया गया

हादसे में घायल दंपती और राहगीर, सड़क पर फैला दर्दनाक मंजर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर-मकनपुर मार्ग पर देवकली गांव के पास सोमवार को स्कूटी और बाइक की भिड़ंत में मासूम सहित पांच लोग घायल हो गए।

सभी को गंभीर हालत में जिला अस्पताल कानपुर रेफर किया गया है। कन्नौज के ठठिया थाना क्षेत्र के सरैया गांव निवासी अजय अपनी पत्नी पूजा और दो वर्षीय बेटे के साथ स्कूटी से ससुराल दधिखा गांव आए थे। सोमवार को वापसी के दौरान देवकली गांव के पास स्कूटी पर बैठी पत्नी मासूम को संभालने लगी, जिससे स्कूटी असंतुलित होकर गिर गई। स्कूटी के ठीक पीछे उत्तरीपूरा निवासी शैलेन्द्र अपनी पत्नी अर्चना को मायके छोड़ने मैनपुरी जा रहे थे। स्कूटी गिरते ही बाइक भी टकरा गई और दोनों सवार गिरकर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अरौल में एक रात, चार वारदात

» छत के रास्ते घुसे चोर, जेवर, नकदी और बाइक पार

» स्कूल में भी सेंधमारी कंप्यूटर-उपकरण चोरी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र में सोमवार रात चोरों ने एक के बाद एक चार जगहों पर धावा बोलकर पुलिस को खुली चुनौती दी। कहीं घरों में सेंध लगाकर नकदी-जेवर उड़ाए तो कहीं स्कूल का ताला तोड़कर कीमती सामान समेट ले गए। हंसौली काजीगंज निवासी संदीप कटियार के घर छत के रास्ते घुसे चोरों ने सबसे पहले कमरे का दरवाजा बाहर से बंद किया, फिर उनकी विधवा भाभी की अलमारी को आंगन में घसीटकर खोल दिया। सोने-चांदी के जेवर और बाइक लेकर फरार हो गए।गांगूपुर में सुनीता पाल के घर से चोरों ने अलमारी से सोने का लॉकेट और दो हजार रुपये नकद उड़ाए। पास ही अच्छे कटियार के घर में घुसने में नाकाम रहे चोरों ने छत से मोबाइल

पार कर दिया। इसी रात रौगांव स्थित मेवाराम स्मारक स्कूल का ताला तोड़कर कंप्यूटर और अन्य उपकरण चुरा लिए गए।थानाध्यक्ष जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि सभी घटनाओं की जांच की जा रही है, जल्द खुलासा किया जाएगा।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर लावारिस बैग से अवैध शराब बरामद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेंट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-01 के प्रयागराज छोर पर रविवार को ऑपरेशन सतर्क के तहत चलाए गए चेकिंग अभियान के दौरान दो लावारिस बैग में भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई।

रेलवे सुरक्षा बल की क्राइम विंग CIB कानपुर और राजकीय रेलवे पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई जांच में बैगों से माउंटेन ओक, आफ्टर डार्क ब्लू, 8 पीएम गोल्ड ब्रांड की कुल 164 शीशियां और 10 बीयर कैन बरामद हुईं।

मौके पर मौजूद यात्रियों से पूछताछ के बावजूद बैगों के स्वामी का पता नहीं चल सका। इसके बाद शराब से भरे दोनों बैगों को थाने लाकर आवश्यक कार्रवाई के तहत मलखाने में जमा कराया गया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत लगभग 51,000 रुपये आंकी गई है।

यह अभियान रेलवे में अवैध गतिविधियों पर रोकथाम और सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में चलाए गए ऑपरेशन सतर्क का हिस्सा था।

नागपंचमी पर बाबा खेरेश्वर मंदिर में हुआ विशेष श्रृंगार

» देशभर से आए सपेरे और श्रद्धालु

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नागपंचमी के शुभ अवसर पर कानपुर के प्रसिद्ध बाबा खेरेश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और नागों का भव्य श्रृंगार किया गया। यह मंदिर नागों के देवता बाबा खेरेपति के नाम पर स्थापित है और नागपंचमी पर यहां विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं।

सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर नागों को दूध पिलाते और पूजन करते दिखे। देश के विभिन्न हिस्सों से सपेरे अपने-अपने नागों को लेकर मंदिर पहुंचे।

इन नागों का दर्शन कर भक्त स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं।

मंदिर में रात को नागों का विशेष श्रृंगार और पूजन किया गया। यहां भगवान विष्णु की विशाल प्रतिमा है

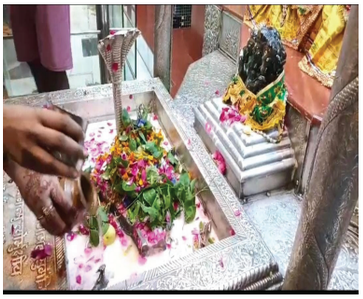

जिसमें वे शेषनाग पर खड़े दिखाई देते हैं, वहीं शिवलिंग पर नाग देवता की छाया भी स्थापित है। भक्त दोनों देवताओं की एक साथ पूजा कर पुण्य प्राप्त करते हैं।

श्रद्धालु जहां सांपों को दूध पिलाते नजर आए, वहीं कुछ लोग सांपों के साथ खेलते भी देखे गए।

मंदिर पुजारी राजीव दीक्षित ने बताया यह मंदिर बाबा खेरेपति शेषनाग को समर्पित है। हमारे क्षेत्र में कभी सर्पदंश की घटना नहीं होती।

नाग पंचमी पर हमारे धर्मग्रंथों में नागों की पूजा का विशेष विधान है। भगवान विष्णु जहां शेषनाग पर विश्राम करते हैं, वहीं भगवान शिव नागों को अपने शरीर पर धारण करते हैं। इससे स्पष्ट है कि नाग देवता कितने पूजनीय हैं।रात को लगे मेले में लाखों श्रद्धालु उमड़े। भीड़ का आलम यह रहा कि मंदिर के आसपास की सड़कें बंद करनी पड़ीं। नागपंचमी का यह आयोजन आस्था, परंपरा और भक्ति का अनुपम संगम बन गया।

कॉलोनी किसी और की, ताला किसी और का!

आसरा आवास योजना में गरीबों के घर पर कब्जे का खेल, पीड़ित महिला दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। योगी सरकार की महत्वाकांक्षी आसरा आवास योजना का उद्देश्य गरीबों को सिर पर छत देना है, लेकिन कानपुर नगर के सजारी क्षेत्र स्थित इस योजना में सरकारी तंत्र की मिलीभगत से एक बड़ा गोरखधंधा सामने आया है। डूडा कर्मियों और तथाकथित देखरेख करने वालों की मिलीभगत से असली लाभार्थी को उसके ही आवंटित मकान से बेदखल कर दिया गया है।

कल्याणपुर खुर्द निवासी अनुसूचित जाति की महिला उर्मिला को जनवरी 2024 में आसरा योजना के तहत ब्लॉक-24 में मकान संख्या-3 आवंटित किया गया था। परिवार के साथ खुशी-खुशी वहां रहने भी लगी थी। लेकिन जुलाई की शुरुआत में अस्वस्थ होने पर कुछ दिन के लिए मायके गई, और जब 17 जुलाई को लौटी तो देखा कि उसके आवास पर किसी और का ताला जड़ दिया गया है।

जब उर्मिला ने कॉलोनी में मौजूद लोगों से बात की तो उसे डूडा कार्यालय जाने को कहा गया। पीड़िता ने डूडा कार्यालय पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई, लेकिन वहां भी किसी कर्मचारी ने आवंटन की जांच करने या कब्जा हटवाने की ज़िम्मेदारी नहीं निभाई। थक-हार कर उर्मिला ने IGRS पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

ठेकेदार बना खुदमुख्तार, आवास पर लगवाया ताला!

पीड़िता का आरोप है कि सनी नामक एक व्यक्ति कॉलोनी में ठेकेदार की आड़ में देखरेख के नाम पर अपनी सत्ता चला रहा है।

उसी ने डूडा के कुछ कर्मचारियों से मिलकर आवास पर ताला डलवाया है ताकि किसी और को कब्जा दिया जा सके। रिपोर्टर

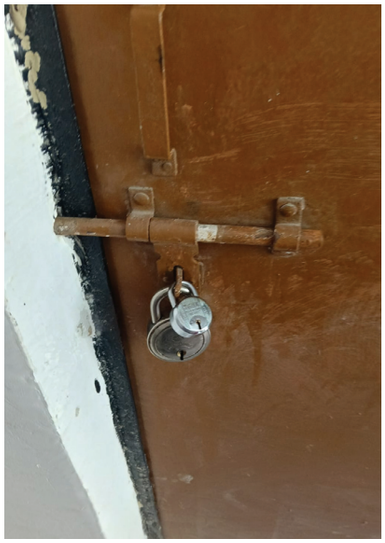

निराश खड़ी आसरा आवास की लाभार्थी

ने सनी से बात की तो उसने खुद को ठेकेदार बताते हुए कहा कि कॉलोनी में फिनिशिंग का काम बाकी है, इसलिए वह और उसके कुछ लोग वहीं रुके हुए हैं।

यह पहला मौका नहीं है जब सरकारी आवास योजना में इस तरह की गड़बड़ियां उजागर हुई हों।

लेकिन हर बार ठेकेदार और बाबू की सांठगांठ का खामियाजा असल लाभार्थियों को भुगतना पड़ता है। सवाल यह है कि डूडा जैसे संवेदनशील विभाग के अधिकारी ऐसे मामलों पर संज्ञान क्यों नहीं लेते?

डीएम से लगाएगी न्याय की गुहार

उर्मिला का कहना है कि वह अब जिलाधिकारी से मिलकर अपनी व्यथा सुनाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेगी।

सरकार की योजनाओं को पलीता लगाने वाले ऐसे मामलों में यदि समय रहते सख्त कार्रवाई न की गई, तो न सिर्फ जरूरतमंदों का भरोसा टूटेगा, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े होंगे।

दीनू उपाध्याय के फरार साथियों पर इनाम बढ़कर हुआ 50 हजार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कमिश्नरी पुलिस ने बसपा नेता पिंटू सेंगर की हत्या में सोनभद्र जेल में बंद धीरज उर्फ दीनू उपाध्याय के फरार साथियों पर इनामी राशि 20 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी है। राशि बढ़ाने का निर्देश संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था आशुतोष कुमार के यहां से जारी हुआ है। दीनू के साथियों का एनबीडब्ल्यू जारी हो चुका है, जबकि कुछ की हिस्ट्रीशीट भी खुल गई है।

नवाबगंज, कोतवाली, सीसामऊ, नौबस्ता, चकेरी समेत अन्य थानों में दीनू और उसके साथियों पर 15 से अधिक एफआईआर हुई हैं। इनमे रंगदारी मांगने, धमकी देने, मारपीट, हत्या का प्रयास, लूट समेत अन्य धाराएं लगी हैं। पुलिस ने दीनू, धरमु यादव को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य की कोई जानकारी नहीं हुई। करीब एक माह पहले क्राइम ब्रांच की टीम को लगा दिया गया।दीनू के भतीजे मनु उपाध्याय और नारायण भदौरिया के भाई दिनेश भदौरिया की गिरफ्तारी हुई।

पुलिस सबकी तलाश करती रही। इस बीच दीनू के भाई संजय उपाध्याय को चकेरी पुलिस ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। फरार आरोपियों के नाहीं मिलने पर पुलिस ने उनके खिलाफ जारी 20 हजार की इनामी राशि को बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी।

साथियों पर बढ़ाई इनामी राशि

किदवई नगर वाई ब्लॉक निवासी दीपक सिह जादौन, परमट निवासी नीरज दुबे, नवाबगंज निवासी अनूप शुक्ला, कुलीबाजार का स्रोत गुप्ता,

नौबस्ता का नारायण भदौरिया, अमन शुक्ला, रचित पाठक समेत अन्य शामिल हैं। जेसीपी लॉ एंड आर्डर आशुतोष कुमार ने बताया कि दीनू के सभी फरार साथियों की इनामी राशि बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी गई है। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें लगी हुई हैं।

वर्ष 1942 में स्थापित मकनपुर विद्यालय की तस्वीर।

पीएम श्री बनने के बाद कुछ इस तरह बदली मकनपुर प्राथमिक स्कूल की तस्वीर।

कानपुर जिले के प्राथमिक विद्यालय मकनपुर को पहले पीएमश्री विद्यालय का दर्जा मिला

देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से किया समर्पित

» अवनीश यादव, स्वराज इंडिया

» स्कूल सहित देश के कई जिलों के बच्चे बने इन पलों के साक्षी

» खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह विद्यालय में मौजूद रहे

नई दिल्ली से प्रसारित कार्यक्रम को लाइव देखते बच्चे।

बिल्हौर (कानपुर)। देश की आजादी से पांच वर्ष पहले मकनपुर वालों ने शिक्षा को लेकर एक ख्वाब देखा था.....और यह ख्वाब था 1942 में स्थापित हुआ कमलापति प्राइमरी स्कूल की स्थापना का। यह स्कूल क्षेत्रवासियों के लिए शिक्षा का इकलौता सहारा बना। वही सहारा जहां छात्र आंखों में मोटा सा काजल लगाकर शिक्षा की साधना करने पहुंचते रहे। मकनपुर के आसपास के इलाकों के लोग भी इसी विद्यालय में पैदल पहुंचकर शिक्षा ग्रहण करते थे। क्षेत्र में शिक्षा की इकलौती अलख जगाने वाले इस विद्यालय ने कई अधिकारी दिए। जिसमें मुख्य रूप से वायु सेना अधिकारी खुशीदुल हक, बैंक अधिकारी राम गुलाम, दूरसंचार अधिकारी नजमी रिजवी समेत कई वकील, डॉक्टर व अध्यापक यहीं के शिक्षकों से तालीम लेकर बने।

मकनपुर वासियों का 1942 में शिक्षा को लेकर देखा गया सपना 29 जुलाई 2025 में उस वक्त साकार हो गया जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पांचवी वर्षगांठ पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने जनपद कानपुर का पहला पीएम श्री विद्यालय शिक्षा की सेवा में जनता को अर्पित कर दिया। आज मकनपुर की जनता खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही है। मुंशी मुरलीधर 1942 के बाद कमलापति विद्यालय के पहले प्रधानाध्यापक बने तो स्कूल में कम ही बच्चे पहुंचते थे। लेकिन मुंशी अली अख्तर का जमाना आते आते यह संख्या बढ़कर सैकड़ों में पहुंच गई। यह जमाना खड़िया, पाटी और रात पट्टी का था लेकिन बच्चों के दिल की लगन आसमान छू रही थी। जमाना आगे बढ़ा, बच्चों की लगन को शासन की योजनाओं ने पंख लगा दिए। आज विद्यालय पीएमश्री घोषित होने के बाद कई हाइटेक योजनाओं से आच्छादित हो गया है।

नई दिल्ली के भारत मंडपम से किया उद्घाटन : नई दिल्ली के भारत मंडपम स्थल पर आयोजित एक समारोह में शिक्षा मंत्री ने एक साथ उत्तर प्रदेश के 18 जिलों से चयनित उत्कृष्ट पीएम श्री विद्यालयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पांचवीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश के अपर परियोजना निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने इस संबंध में जिले और मंडल के अधिकारियों को पत्र भेजकर सूचित किया था। स्कूलों में उद्घाटन की पट्टिका भी आज लगवाई गई। स्कूल में खंड शिक्षा अधिकारी बिल्हौर रवी कुमार सिंह और ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मकनपुरवासियों के लिए ऐतिहासिक दिन

वर्ष 1971 में कक्षा 1 में एडमिशन लेने वाले फेयर कमेटी इंटर कॉलेज के वरिष्ठ प्रवक्ता मुक्तिदा हुसैन जाप री बताते हैं कि हमने अभाव में शिक्षा ग्रहण की। आगे की शिक्षा के लिए 1968 में फेयर कमेटी हायर सेकेंडरी स्कूल चौधरी इतरत हुसैन ने मकनपुर के लोगों के साथ मिलकर खोला था। वह आज आज तरक्की के नए आयाम स्थापित कर रहा है। **मुक्तिदा हुसैन जाफरी, प्रवक्ता फेयर कमेटी इंटर कॉलेज, मकनपुर**

इसी स्कूल से पाई है प्राथमिक शिक्षा

पी एम श्री मकनपुर के प्रधानाचार्य बदरुल मुनीम जाफरी बताते हैं कि इसी स्कूल में मैने शिक्षा प्राप्त की और इसी स्कूल को सफलताओं के आयाम स्थापित करते देखा है। यहां के छात्रों ने कीर्तिमान स्थापित किए। **बदरुल मुनीम, पी एम श्री विद्यालय, मकनपुर**

सम्पादकीय

रैगिंग के बदलते तरीकों की हो निगरानी

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर-तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर-तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं।

उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

संघर्ष की डगर पर डर-शर्म की टूटती बाधाएं

क्षमा शर्मा

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते यौन अपराधों के आंकड़े चिंताजनक हैं। साल 2012 में निर्भया कांड के बाद कई सकारात्मक कदमों के बावजूद इस दिशा में काम अधूरा है। हाल की कई घटनाओं में यह उजागर भी हुआ। लड़ाई नियंत्रण वाली सोच और सहमति के बीच है। भारत की बेटियां दशकों से समानता के लिए लड़ रही हैं। वर्णिका कुंडू, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट जैसी महिलाएं लंबी लड़ाई के लिए तैयार हैं।इस महीने चार दृश्य ऐसे रहे जो भारत में महिला और फीमेल सेक्सुएलिटी की दशा को परिभाषित करते हैं।

पहला, ओडिशा के बालासोर में एक युवा कॉलेज छात्रा ने आत्महत्या कर ली, वह अपने प्रोफेसर द्वारा 'संबंध' बनाने के दबावों का विरोध कर रही थी। दूसरा, वायरल हुई एक वीडियो में एक ट्रक पर भगवा लहंगा-चोली पहनकर नाचती दो महिलाओं द्वारा कांवड़ियों का मनोरंजन करने वाला दृश्य, जो बॉलीवुड की वास्तविक जीवन में नकल का बिल्कुल सही उदाहरण है। तीसरी, सेंसर बोर्ड द्वारा सुपरमैन और उसकी प्रेमिका लोइस लेन के बीच 33 सेकंड लंबे चुंबन दृश्य को काट देना, क्योंकि उसे लगता है कि यह भारतीय दर्शकों के लिहाज से 'अत्यधिक कामुक' है।और चौथा दृश्य रहा, हरियाणा भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के बेटे विकास को सहायक महाधिवक्ता नियुक्त किया जाना, इस तथ्य के बावजूद कि उस पर 2017 में, चंडीगढ़ में, एक युवती वर्णिका कुंडू का पीछा करने और अपहरण के प्रयास का आरोप है। तब वह पांच महीने जेल में भी रहा था। यह आपराधिक मामला है। आठ साल हो गए, लेकिन मुकदमा अभी भी चला ही जा रहा। शायद चंडीगढ़ में न्याय का पहिया बहुत धीरे घूमता है शायद हरियाणा के बारे में कुछ है। साथ ही, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और देश के बाकी हिस्सों में भी, जहां महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध हर साल बढ़ रहे हैं। हम में से जिनकी याद्दाश्त ठीक है, उन्हें दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक लड़की के साथ हुआ सामूहिक बलात्कार याद होगा, जिसे हम निर्भया के नाम से जानते हैं – हालांकि असली नाम कुछ ओर था – एक ऐसी लड़की जो आलोक और साहस दोनों से परिपूर्ण थी – यह घटना उस लड़ाई में महत्वपूर्ण मोड़ रही, जो भारत की बेटियां दशकों से समानता के लिए लड़ती आई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को उस समय भान था कि दिल्ली गैंगरेप कांड कांग्रेस को 2014 के आम चुनाव में देशभर में और फिर अगले साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली हार का बड़ा कारण रहा। तभी मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का ऐसा नारा दिया, जो पूरे देश में गूंज उठा। उन्होंने महिलाओं को सरकारी योजनाओं के पहले लाभार्थियों के रूप में, सबसे आगे रखा, उन्हें एक वोट बैंक और यहां तक कि कोटा में तब्दील कर दिया – भविष्य में किसी समय 33 प्रतिशत महिला सांसद चुने जाने की उम्मीद है, हालांकि यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं कि कब। फिर भी, यह एक प्रण है और कोई भी इससे पीछे नहीं हट सकता। 2018 में, वर्णिका कुंडू द्वारा चंडीगढ़ के एक थाने में विकास बराला के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने के एक साल बाद, हर 15 मिनट में एक बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज हुई। आंकड़ों में राजनेताओं द्वारा खुद को दोष-मुक्त रखना भी अंतर्निहित है। यौन उत्पीड़न या यौन उत्पीड़न के प्रयास के आरोपियों की सूची में विकास बराला का नाम नवीनतम है। अब तक की इस सूची में पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह, कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी, फिलहाल निलंबित पूर्व जनता दल-एस सांसद प्रज्वल रेवन्ना, पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर व कई अन्य नाम शामिल हैं।जिस एक कारण से शायद राजनेताओं को लगता है कि वे बच निकलेंगे, वह है कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम का पंजीकृत राजनीतिक दलों पर लागू नहीं होना – बीते शुक्रवार ही सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

आंतरिक ध्वनि चिकित्सा है गुनगुनाना

अंर्तमन

डा0 जगदीप सिंह

जब बच्चा छोटा होता है तो मां बच्चे को लोरी गाकर सुनाती है। लोरी गाते-गाते वह कई बार गुनगुनाती भी है। यह गुनगुनाना न केवल मां-बच्चे को मानसिक शांति प्रदान करता है, अपितु उनके आपसी बंधन को भी मजबूत करता है।क्या आपने काम करते समय कोई गीत या ध्वनि गुनगुनाई है। अवश्य गुनगुनाई होगी। आपको यह पता होना चाहिए कि गुनगुनाना मात्र छोटी-सी बात नहीं है, अपितु इस गुनगुनाहट में बहुत सारे जीवन के सकारात्मक सार छिपे हुए हैं। यह गुनगुनाहट 'आंतरिक ध्वनि चिकित्सा' है जो व्यक्ति के जीवन के टूटे-फूटे तारों की मरम्मत करती है और उनके अंदर एक नई ऊर्जा एवं ध्वनि का संचार करती है।

नादब्रह्म, ध्यान में गुंजार ऊर्जा का असीम स्रोत है। इस संदर्भ में ओशो कहते हैं कि, 'हां, यह ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत है। हम अपने जीवन के स्रोतों को नहीं जानते और यह नहीं जानते कि उन स्रोतों से कैसे जुड़ें?' शोध बताते हैं कि 'भंवरे की तरह गुनगुनाना यानी कि हमिंग करने से न केवल तनाव कम होता है, अपितु इससे मूड भी सकारात्मक होता है। शरीर के अंदर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं और पेट संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं। स्वीडिश वैज्ञानिकों ने भी अपने एक शोध में यह पाया कि 'गुनगुनाने से मस्तिष्क में ऑक्सीजन की मात्रा में सुधार होता है।'

जब हमारा तन किसी ध्वनि को मन से गुनगुनाता है तो तन-मन का कंपन एक तालमेल में आ जाता है और उनका संघर्ष खत्म हो जाता है। इस संघर्ष के खत्म होने से ऊर्जा का ह्रास होने से बच जाता है। मन को शांति का अहसास होता है। गुनगुनाना हमारे मस्तिष्क की वेगस तंत्रिका को उत्तेजित करता है, जो पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम से जुड़ी हुई होती है। इससे तनाव कम होता है और मानसिक स्पष्टता बढ़ जाती है। इससे सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे लाभकारी न्यूरो हार्मोंस का रिसाव बढ़ता है। ये दोनों ही हॉर्मोन खुशी उत्पन्न करने वाले माने जाते हैं। इनकी उत्पत्ति से व्यक्ति को खुशी एवं सुख का अनुभव होता है। गुनगुनाना संगीत का ही एक भाग है। भारतीय संगीत और इसके रागों में रोगों को दूर करने की अद्भुत शक्ति होती है।प्राचीन काल में राजा-महाराजा जब युद्ध से लौट कर आते थे तो वे तन-मन से शिथिल और क्लान्त रहते थे। ऐसे में वे संगीतकारों को राजदरबार में बुलाकर उनसे राग सुना करते थे। कई बार तो वे गायक के साथ-साथ गुनगुनाते भी थे। इस गुनगुनाहट से उनकी थकान, चिंता सब गायब हो जाती थी तो और वे फिर से तरोताजा हो जाते थे। अपने अंदर ऊर्जा एवं स्फूर्ति का संचार कर वे राजकाज संभालते थे और गुनगुनाते हुए प्रजा के दुख दूर करते थे। अकबर के दरबार के नवरत्नों में से एक तानसेन को संगीत में उच्च कोटि की सिद्धि प्राप्त थी। यह भी किंवदंती सुनने को मिलती है कि जब वे राग दीपक गाते थे तो उसकी गर्मी से दीपक स्वयं जल उठते थे। इसी तरह मेघ मल्हार गाने से झमाझम बारिश होने लगती थी। इससे ही यह स्पष्ट हो जाता है कि संगीत और गुनगुनाहट में असीम शक्ति है। इस शक्ति से मनुष्य तो क्या पृथ्वी और प्रकृति तक झूमने लगते हैं।मनोचिकित्सक मानते हैं कि रागों में व्यक्ति के तन-मन के रोगों को दूर की जादुई शक्ति छिपी है। संगीत और गुनगुनाहट को चिकित्सा प्रणाली में शामिल कर रोगियों को ठीक किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि तोड़ी, भूपाली, अहीर भैरव राग सर्दी-जुकाम, सिरदर्द और उच्च रक्तचाप से राहत देते हैं। शिवरंजनी राग सुनने से याददाश्त तेज होती है और स्मृति लोप की समस्या दूर होती है। राग भैरवी सर्दी, कफ और दांत दर्द से राहत देता है। चंद्रकौंस राग हृदय रोग और मधुमेह के लिए उपचारदायक है। राग दरबारी तनाव दूर करता है। राग बिहाग और बहार गहरी मधुर नींद के लिए लाभदायक है।

चार महिलाएं बनीं नशे की सौदागर, 40 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार

- एसटीएफ और एएनटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में कानपुर-फतेहपुर बॉर्डर से चार महिला तस्कर दबोची गईं।
- गाड़ी में छिपाकर ले जा रहीं थीं गांजा, मिर्जापुर से कानपुर देहात और औरैया तक फैला था नेटवर्क।
- पति जेल गए तो महिलाएं बन गईं तस्कर, किराए की कार में ले जा रहीं थीं नशे की खेप।

महिलाएं मिर्जापुर से गांजा लाकर प्रयागराज और फतेहपुर में सप्लाई कर चुकी थीं और अब कानपुर, कानपुर देहात और औरैया में माल उतारने जा रही थीं। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। चमचमाती सियाज कार में चार महिलाएं, लेकिन डिग्गी में छिपा था 40 किलो गांजा और ढाई किलो चरस। लखनऊ एएनटीएफ और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने कानपुर-फतेहपुर बॉर्डर के पास इन महिला तस्करों को रंगे हाथ पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि ये महिलाएं मिर्जापुर से गांजा लाकर प्रयागराज और फतेहपुर में सप्लाई कर चुकी थीं और अब कानपुर, कानपुर देहात और औरैया में माल उतारने जा रही थीं। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

किराए की कार में तीसरी बार कर रहीं थीं सप्लाई

गिरफ्तार महिलाओं में पिंकी (कानपुर), रोशनी (अकबरपुर, कानपुर देहात), सीमा (आलमबाग, लखनऊ) और रागिनी (फतेहपुर) शामिल हैं। कार लखनऊ निवासी श्याम गुप्ता के नाम है, जिसे 1500 रुपये प्रतिदिन किराए पर लिया गया था। जांच में सामने आया कि पिंकी और रागिनी पहले भी चरस तस्करी के मामलों में पकड़ी जा चुकी हैं, जबकि सीमा और रोशनी के पति नशीली दवाओं की तस्करी के मामले में जेल में बंद हैं।

पति की जमानत और घर चलाने के लिए ये महिलाएं नशे का धंधा करने लगीं। पूछताछ में इन महिलाओं ने कबूल किया कि ये तीसरी बार गांजे की सप्लाई कर रही थीं।

नशे का हब बन रहा कानपुर महिलाओं और बच्चों का इस्तेमाल

एसटीएफ प्रभारी उपमन्यु सिंह के अनुसार ऑपरेशन सुदर्शन के तहत कार्रवाई की गई। टीम का मानना है कि मिर्जापुर और छत्तीसगढ़ से आने वाला गांजा अब कानपुर के रूरल एरिया में स्टोर किया जाता है। शहर के ईस्ट और वेस्ट जोन के कुछ हिस्से तस्करी के लिए मुफीद साबित हो रहे हैं। पहले जहां नटवनटोला और कुलीबाजार जैसे इलाकों में निम्न वर्ग की महिलाएं सक्रिय थीं, वहीं अब हाई प्रोफाइल महिलाएं तस्करी में सामने आ रही हैं। इससे पहले स्कूली बैग में गांजा ले जा रहे बच्चों को भी पकड़ा गया था। जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने के लिए आरोपियों के मोबाइल और संपर्क सूत्र खंगाल रही हैं।

सराफा व्यापारी को स्कूटी से गिराकर पीटा, जेवर सहित चार लाख की लूट

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में सराफा व्यापारी को लूट लिया गया। छह बदमाशों ने उन्हें पीटा और स्कूटी, जेवर व नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने स्कूटी बरामद कर ली है और मामले की जांच के लिए छह टीमें लगाई गई हैं, जबकि शुरुआत में थाने सीमा विवाद में उलझ गए थे।

कानपुर में महाराजपुर के टौंस इलाके से सोमवार शाम दुकान बंदकर घर लौट रहे सराफा व्यापारी को दो बाइकों से आए छह बदमाशों ने पीटा और स्कूटी, जेवर-नकदी लूट ले गए। व्यापारी के अनुसार, स्कूटी की डिकी में साढ़े तीन लाख के जेवर और 40 हजार रुपये थे। राहगीरों की मदद से व्यापारी ने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर आए पुलिसकर्मी महाराजपुर और नर्वल थाने के सीमा विवाद में उलझ गए।

इसके बाद में अधिकारियों के दखल के बाद महाराजपुर थाने में लूट की रिपोर्ट दर्ज हुई है। लूट की सूचना पर डीसीपी ईस्ट सत्यजीत गुप्ता ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित से जानकारी ली। वहीं, आदर्श व्यापार मंडल कानपूर पूर्वी के जिलाध्यक्ष महेश वर्मा संग मौके पर पहुंचे व्यापारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। चकेरी के शक्तिपुरम निवासी सराफा व्यापारी अनिल वर्मा की महाराजपुर के टौंस चौराहे पर यादव ज्वैलर्स नाम से दुकान है।

दो बाइकों पर आए छह युवकों ने की लूटअनिल ने बताया कि सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे वह दुकान बंदकर स्कूटी से घर लौट रहे थे। टौंस-तिलसहरी मार्ग पर घाटूखेड़ा के पास सामने से दो बाइकों पर छह युवक आए। उनमें से सफेद रंग की अपाचे बाइक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद उन्हें जमकर पीटा और उनका मोबाइल और स्कूटी छीन ली।

हाथ और सिर में चोटें आईं

इसके बाद एक शातिर ने उनकी स्कूटी चलाई और दूसरा पीछे बैठ गया। इसके बाद सभी टौंस की ओर भाग निकले। स्कूटी की डिकी में बैग था। इसमें करीब साढ़े तीन लाख के सोने व चांदी के गहने और करीब 40 हजार रुपये नकद और दुकान की चाबियां थीं। पिटाई से उनके हाथ और सिर में चोटें आईं हैं। पुलिस ने उनका मेडिकल भी कराया है। घटना के बाद क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक ने भी मौके पर पहुंच जांचकर साक्ष्य जुटाए।

घटनास्थल से 13 किमी दूर मिली स्कूटी

सराफ के मुताबिक उनकी नीले रंग की स्कूटी में जीपीएस सिस्टम लगा है। स्टार्ट करने पर पासवर्ड मांगती है।

पुलिस ने इसी जीपीएस सिस्टम की मदद से उसे नर्वल मोड़ से बरामद कर लिया। हालांकि लुटेरे डिकी तोड़कर बैग निकाल ले गए। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए छह टीमें लगाई गई हैं। फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पत्नी और बेटों ने की ग्राम प्रधान की हत्या, शव झाड़ियों में फेंका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली थाना क्षेत्र के बैरी दरियाव गांव में ग्राम प्रधान जय नारायण उर्फ प्रेम नारायण (50) की हत्या उनकी पत्नी और दो नाबालिग बेटों ने मिलकर कर दी। प्रधान के बेटों (17 व 15 वर्ष) ने शराब पीकर रोजाना की मारपीट से तंग आकर गुस्से में वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद शव को गांव से 700 मीटर दूर सम्भलपुर गांव के पास झाड़ियों में फेंक दिया गया।

- शराब पीकर मारपीट करता था प्रधान, बेटों ने की हत्या की बात कबूल
- हत्या के बाद बनाया गुमशुदगी का नाटक, पुलिस पूछताछ में टूटा बड़ा बेटा
- चार घंटे शव के पास बैठे रहे, अंधेरा होने पर बाइक से ठिकाने लगाया

रविवार रात हत्या के बाद परिजनों ने गुमशुदगी की झूठी कहानी गढ़ी और सोमवार दोपहर यूपी-112 पर कॉल करके प्रधान के लापता होने की सूचना दी। शाम 5 बजे पुलिस को शव बरामद हुआ, जिसके सिर पर भारी वस्तु से चोट के निशान मिले। शक होने पर पुलिस ने पत्नी और दोनों बेटों से सख्ती से पूछताछ की तो बड़ा बेटा टूट गया और जुर्म कबूल कर लिया।

पापा रोज मारते थे... इसलिए हमने उन्हें खत्म कर दिया

बड़े बेटे ने पुलिस को बताया कि पिता रोज शराब पीकर आते थे और मां के साथ मारपीट करते थे। रविवार को भी उन्होंने मां को पीटना शुरू किया तो हम दोनों भाई बीच-बचाव करने आए। पापा ने हमें भी धक्का-मुक्की की, जिससे हम गुस्से में आ गए और उनकी पिटाई कर दी। इस दौरान उनका सिर फर्श से टकराया और फिर गला दबाकर हत्या कर दी।

हत्या के 4 घंटे बाद किया शव को ठिकाने

रात करीब 7 बजे हत्या के बाद तीनों लोग शव के पास बैठे रहे और अंधेरा होने का इंतजार करते रहे। रात 11 बजे गांव में सन्नाटा होते ही दोनों बेटों ने पिता का शव बाइक पर रखा और शिवली-कल्याणपुर मार्ग के पास झाड़ियों में फेंक दिया।अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला घरेलू विवाद का प्रतीत हो रहा है। जय नारायण का अपनी पत्नी और बेटों से रोज शराब पीने को लेकर विवाद होता था। रविवार को विवाद इतना बढ़ा कि पत्नी और बेटों ने मिलकर हत्या कर दी। मामले में मृतक के भतीजे जितेंद्र कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मृतक ग्राम प्रधान

सामुदायिक शौचालय बना शो-पीस, सचिव की लापरवाही से गांव में फैल रही गंदगी

- बीडीओ के निर्देश की उड़ाई धज्जियां, सचिव दीपक यादव पर कार्रवाई की मांग
- बिजली-पानी का अभाव, टूटी टंकी और घास में गुम स्वच्छ भारत मिशन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवनखेड़ा ब्लॉक के जिठरौली गांव में सामुदायिक शौचालय योजना लापरवाही की भेंट चढ़ती दिख रही है। शासन जहां स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ और खुले में शौच से मुक्त करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है, वहीं पंचायत स्तर पर तैनात जिम्मेदारों की उदासीनता इस मिशन को पलीता लगा रही है। ग्राम पंचायत में बना सामुदायिक शौचालय पूरी तरह से निष्क्रिय है। शौचालय के चारों ओर घास-फूस उग आया है, रनिंग वाटर के लिए लगाई गई टंकी जमीन पर टूटी पड़ी है, बिजली कनेक्शन तक नहीं है और सीवर पाइपलाइनें जर्जर अवस्था में हैं।

FOLLOW UP

हालात यह हैं कि शौचालय संचालन सिर्फ कागजों पर दर्शाया जा रहा है और इसके नाम पर हर महीने हजारों रुपये की सरकारी धनराशि निकाली जा रही है। पंचायत सचिव द्वारा केयरटेकर को भुगतान दिखाकर फर्जी संचालन का खेल लंबे समय से चल रहा है।

जिम्मेदार अफसरों की खामोशी से योजनाएं दम तोड़ रहीं

जिठरौली गांव का यह मामला नया नहीं है। दैनिक स्वराज इंडिया अखबार में खबर प्रकाशित होने के बावजूद न तो बीडीओ और न ही विभागीय अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई कर रहे हैं। बीडीओ के निर्देशों की भी ग्राम सचिव दीपक यादव ने अनदेखी की है, जिससे ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है। शासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार शौचालय संचालन के लिए महिलाओं के स्वयं सहायता समूह को हर महीने 9000 रुपये दिए जाते हैं, लेकिन यहां न तो संचालन हो रहा और न ही गांव को लाभ मिल रहा।शासन की करोड़ों की योजनाएं सचिवों और अधिकारियों की उपेक्षा के कारण फाइलों में सिमटकर रह जा रही हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अफसर खुद ही सरकार की योजनाओं को विफल करने में जुटे हैं? अब देखना है कि लापरवाह सचिव और दोषियों पर कब कार्रवाई होती है।

मनमर्जी के विवाह की सजा बनी लाठीचार्ज

- तमाशबीन बनी भीड़, दबंगों ने बरपाया कहर
- वीडियो वायरल, चार पर केस दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के सरांय गांव में शनिवार को एक मनपसंद शादी हिंसा की वजह बन गई। आरोप है कि बेटी के ससुराल पहुंचे साले और परिजनों ने घर में घुसकर लाठियों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। घटना में नरेंद्र व देवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। भीड़ मूकदर्शक बनी रही और वीडियो बनाती रही। बताया जा रहा है कि हमलावर बेर्रा खानपुर निवासी विपिन के ससुर, सास और दोनों साले थे, जो नशे में धुत थे। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और पीड़ित की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि विपिन ने बिना सामाजिक सहमति के विवाह किया था। तभी से ससुराल पक्ष संपत्ति और दखल को लेकर विवाद कर रहा था, जो अब हिंसा में बदल गया।

18 जगह से धंसी 18 करोड़ की सड़क, हादसे को दे रही न्योता

विभाग की अनदेखी से नाराज ग्रामीण बोले- ठेकेदार और अफसरों पर हो सख्त कार्रवाई

» 8.7 किमी लंबे गजनेर-नबीपुर मार्ग पर 5 साल में ही शुरू हो गया कटान

» मीटर तक सड़क एक फुट तक धंस चुकी है, जो किसी दिन बड़ी दुर्घटना को दावत दे सकती है।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। करीब 17 करोड़ 79 लाख 53 हजार रुपये की लागत से बनी 8.7 किलोमीटर लंबी गजनेर-नबीपुर सड़क महज 5 साल में ही बदहाल होने लगी है। सड़क पर 18 से ज्यादा जगहों पर गहरे गड्ढे और कटान देखने को मिल रहे हैं।

विजयनगर से पतरा मोड़ के बीच करीब 30 मीटर तक सड़क एक फुट तक धंस चुकी है, जो किसी दिन बड़ी दुर्घटना को दावत दे सकती है।

लोक निर्माण विभाग ने इस सड़क के चौड़ीकरण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा था, जिसे मंजूरी मिलने के बाद ठेकेदारों द्वारा निर्माण कार्य कराया गया।

लेकिन निर्माण में गुणवत्ता की भारी अनदेखी की गई। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि सड़क बनने के चंद वर्षों के भीतर ही इसकी हालत खस्ता हो गई है और अधिकारियों की निगरानी पूरी तरह नदारद है।

रेनू सिंह चौहान, गोलू दीक्षित, सानू मिश्रा, राम गणेश सिंह चौहान, कन्हैया सिंह, संजू बाजपेई, फिरोज खान, योगेन्द्र सिंह चौहान, नीरज गुप्ता, सोनू सिंह परिहार, राहुल यादव, शिवम् गुप्ता और प्रद्युम्न सिंह जैसे स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि लापरवाह ठेकेदारों पर कार्रवाई हो और सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते कदम न उठाया गया, तो ये मार्ग बड़ी जानलेवा घटनाओं का कारण बन सकता है।

हम व्यापारियों के लिए यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। चौड़ीकरण और निर्माण कार्य के बाद इस सड़क ने हमें बड़ी राहत दी थी और यह हमें एक सुरक्षित मार्ग प्रतीत होता है। लेकिन अब जिस तरह से सड़क पर कटान शुरू हो गया है, यह एक बेहद गंभीर विषय बन चुका है। हमें डर है कि कहीं फिर से पुराने जैसे हालात न लौट आएं, जब इस मार्ग से गुजरना लोहे के चने चबाने जैसा था। विभाग को चाहिए कि स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराए।

नीरज गुप्ता
व्यापार मंडल अध्यक्ष, गजनेर

गजनेर-नबीपुर मार्ग की स्थिति निर्माण से पहले इतनी बदहाल थी कि इस पर चलना एक बड़ी चुनौती से कम नहीं था। जब शासन द्वारा सड़क के चौड़ीकरण की स्वीकृति मिली और कार्य शुरू हुआ, तो पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ पड़ी थी। अभी इस मार्ग को बने पांच साल भी नहीं हुए और किनारों से कटान शुरू हो गया है। यदि यही हाल रहा तो सड़क फिर से पुराने हालात में पहुंच जाएगी। यह बेहद गंभीर समस्या है और संबंधित ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो।

राम गणेश सिंह चौहान
वरिष्ठ भाजपा नेता, मंगटा

हम ग्रामीणों के लिए यह मार्ग मुख्यालय जाने का एकमात्र साधन है। यदि सड़क पर कटान जारी रहा तो जल्द ही यह फिर से जर्जर स्थिति में पहुंच जाएगी। संबंधित ठेकेदारों पर तत्काल सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और समय रहते इसकी मरम्मत कराई जानी चाहिए, अन्यथा यह मार्ग बड़ी दुर्घटना को निमंत्रण दे सकता है। यदि विभाग ने समय रहते ध्यान नहीं दिया तो इसकी गंभीर कीमत चुकानी पड़ सकती है।

योगेन्द्र सिंह चौहान
वरिष्ठ समाजसेवक, गजनेर

हमें तो रोजाना 20 किलोमीटर दूर से इसी रास्ते से होकर मुख्यालय जाना पड़ता है। यह मार्ग हमारे लिए एकमात्र विकल्प है। अगर सड़क पर कटान जैसी स्थिति लगातार बनी रही, तो यह किसी दिन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। यह कटान जानलेवा भी साबित हो सकता है। संबंधित ठेकेदार या विभाग को तत्काल मरम्मत करानी चाहिए, नहीं तो सड़क फिर से अपनी पुरानी जर्जर स्थिति में पहुंच जाएगी। समय रहते कार्रवाई बेहद जरूरी है।

बबलू सिंह कछवाह
प्रधान प्रतिनिधि, मनेथू

तेज रफ्तार कार ने खड़ी बुलेरो में मारी टक्कर, दो घायल, चालक फरार

» जरैलापुर मोड़ के पास हुआ हादसा, घायलों को जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती

» पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शुरू की तलाश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात के भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बा स्थित जरैलापुर मोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़ी बोलेरो में जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो चालक और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

घटना बीते रविवार दोपहर करीब 2:15 बजे की है, जब सट्टी थाना क्षेत्र के नौबादपुर गांव निवासी हरपाल सिंह अपने बोलेरो वाहन से रिश्तेदारों के साथ खरीददारी के लिए पुखरायां आए थे। बोलेरो को बाईपास हाईवे से नीचे कच्ची सड़क किनारे खड़ा कर सामान रखा जा रहा था। तभी तेज रफ्तार कार ने पीछे से आकर जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में चालक आकाश (निवासी लवरसी) और विनय कुमार (निवासी देवरिया) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायलों को पुखरायां सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बोलेरो भी क्षतिग्रस्त हो गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

लापरवाही का नतीजा

शिकायत पर योगी सरकार ने की कार्रवाई

जनता की अनदेखी पर हटाए गए डीएम आलोक कुमार सिंह

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात।उत्तर प्रदेश शासन ने रविवार रात 23 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए, जिनमें कई जिलों के डीएम भी शामिल हैं। कानपुर देहात के जिलाधिकारी आलोक सिंह को हटाकर उन्हें राज्यकर संपत्ति विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह पोस्टिंग नौकरशाही में साइडलाइन मानी जाती है।

डीएम आलोक सिंह पर जनता की शिकायतों की लगातार अनदेखी और जनसुनवाई में लापरवाही बरतने के आरोप लगते रहे हैं। परिणामस्वरूप जिले में भ्रष्टाचार और अफसरशाही का बोलबाला बढ़ गया था। शासन तक पहुंची शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। प्रमोटी आईएएस आलोक सिंह की 1 सितंबर 2023 को कानपुर देहात में तैनाती हुई थी। शुरुआत से ही उनकी कार्यशैली को लेकर सवाल उठते रहे। डीएम कार्यालय में जन सुनवाई को लेकर आम जनता खुद को ठगा महसूस कर रही थी। रनियां क्षेत्र के एक पीड़ित ने नाली विवाद में कार्रवाई न होने पर डीएम कार्यालय के बाहर अनशन तक किया था। वहीं संगसियापुर निवासी

डीएम आलोक सिंह, राज्यकर संपत्ति विभाग में भेजे गए

कलेक्ट्रेट के पूर्व कर्मचारी को हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद बहाली नहीं मिली। आरोप है कि डीएम ने उसे एडीएम के ास भेज दिया, जहां उसे लगातार अपमानित किया जाता रहा। डीएम को इसकी सूचना होने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया।

जनप्रतिनिधियों की शिकायतें भी रहीं नजरअंदाज

सदर विधायक व राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला समेत कई जनप्रतिनिधि लंबे समय से डीएम की कार्यशैली से नाराज थे।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बैठक में भी मंत्री ने डीएम की शिकायत दर्ज कराई थी। सूत्रों के अनुसार, डीएम केवल एक सांसद और एक कैबिनेट मंत्री की ही सुनते थे, बाकी नेताओं की उपेक्षा करते रहे।

भाजपाई रहे दरकिनार, सपाईयों को दी तरजीह

स्थानीय भाजपा नेताओं का आरोप है कि डीएम आलोक सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायतों को अनसुना कर सपाई नेताओं को अधिक महत्व दिया। शस्त्र लाइसेंस से लेकर खनन पट्टों तक में सपाइयों की सिफारिशों को तवज्जो दी गई, जिससे सरकार की छवि को भी नुकसान हुआ।

जिले में नहीं छोड़ी कोई छाप

अपने कार्यकाल में डीएम आलोक सिंह ने ऐसा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया, जिससे जनता उन्हें याद रख सके। उलटे, अफसरशाही की बंद दीवारों में घिरी जनता अपनी समस्याओं को लेकर दर-दर भटकती रही ।शासन ने अब जिले में नए प्रशासनिक नेतृत्व के जरिए जनविश्वास बहाल करने की तैयारी शुरू कर दी है।

कपिल सिंह बने कानपुर देहात के नए डीएम

» यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण में एसीईओ रहे कपिल सिंह को दी गई नई जिम्मेदारी

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 23 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं।

कपिल सिंह इससे पूर्व यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर तैनात थे। वे प्रशासनिक दक्षता, ईमानदार कार्यशैली और नवाचार के लिए पहचाने जाते हैं। उनके आने से जिले में विकास कार्यों में नई गति आने की उम्मीद जताई जा रही है।

कानपुर देहात में पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, कई थानों के प्रभारी बदले

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर देहात पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है।

29 जुलाई 2025 को जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक और उपनिरीक्षक स्तर के 23 पुलिस अधिकारियों के तबादले तत्काल प्रभाव से किए गए हैं। यह निर्णय जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड के कार्यवृत्त संख्या 21 व 22 के तहत लिया गया, जिसके अनुपालन में पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र ने तबादला आदेश जारी किया है।

» जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड के निर्णय पर हुआ स्थानांतरण आदेश जारी

» जनहित में तत्काल प्रभाव से थानेदारों और चौकी प्रभारियों की बदली

इस फेरबदल में थाना मूसानगर के प्रभारी निरीक्षक शिवनारायण सिंह को थाना रनियां, थाना रूरा के प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह को थाना गजनेर, गजनेर के प्रवीन कुमार को शिवली, सट्टी के संजेश कुमार को डेरापुर और डेरापुर के महेश कुमार को राजपुर भेजा गया है।

वहीं उपनिरीक्षक स्तर पर कालीचरन को राजपुर से मूसानगर, लक्ष्मी प्रसाद सिंह को पुलिस लाइन से मूसानगर और राजेंद्र सिंह को पुलिस लाइन से औनहा चौकी शिवली भेजा गया है।

चौकी प्रभारियों और शाखा पदों पर भी बदली की लहर

स्थानांतरण आदेश में यू.पी. 112, साइबर क्राइम, महिला चौकी और चौकी प्रभारियों के पद भी बदले गए हैं। अब्दुल कलाम को साइबर क्राइम थाना प्रभारी, दिलीप कुमार बिंद को प्रभारी यू.पी. 112, और राजवीर सिंह को रिपोर्टिंग महिला चौकी से थाना बरौर भेजा गया है।आईजीआरएस प्रभारी रहे राजेश कुमार व ज्ञानप्रकाश पांडेय को भी नई जिम्मेदारी दी गई है। जयकरन सिंह को थाना रनियां, प्रमोद कुमार को थाना रूरा और देव नारायण द्विवेदी को थाना सट्टी भेजा गया है, जबकि थाना अकबरपुर से हटाए गए अधिकारी को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में वाचक बनाया गया है। इन बदलावों से जहां पुलिस व्यवस्था को अधिक सक्रिय व उत्तरदायी बनाने की कोशिश की गई है, वहीं थानों की कार्यप्रणाली में भी नई ऊर्जा आने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को तत्काल नई तैनाती स्थल पर रिपोर्ट करने और अनुपालन आख्या भेजने के निर्देश दिए हैं।

जननी ऑपरेशन में आंकड़ों की संतुष्टि में सिस्टम....

सीएचसी सोहावल में सिजेरियन का खेल!

» स्वास्थ्य नहीं, टारगेट बना उद्देश्य डब्ल्यूएचओ गाइडलाइन की उड़ाई जा रही धज्जियां

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित सीएचसी सोहावल में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ एक बेहद चिंताजनक और अमानवीय खेल खेला जा रहा है। यहां न तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइन का ख्याल रखा जा रहा है, न ही प्रसूताओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का।टारगेट पूरा करने की होड़ में अनावश्यक सिजेरियन डिलीवरी कराना यहां आम बात बन चुकी है। बता दे कि 1 अप्रैल 2025 से 18 जुलाई 2025 तक इस सीएचसी पर कुल 319 डिलीवरी कराई गई। इनमें से 72 मामलों में सिजेरियन ऑपरेशन किया गया, यानी कुल डिलीवरी का लगभग 22.5त।जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यह दर 10 से 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

डा0 फातिमा

सिजेरियन ऑपरेशन के बाद होती हैं ये गंभीर समस्याएं

-घाव में संक्रमण का खतरा
-रिकवरी में लंबा समय
-भविष्य की गर्भावस्थाओं में जटिलताएं
-शिशु में सांस संबंधी परेशानियां
-स्तनपान में कठिनाई
-रक्तस्राव और थक्के बनने का जोखिम
-मां में क्रोनिक दर्द की संभावना

असली सवाल यह है कि जब सिजेरियन जरूरी न हो, तब क्यों किया जा रहा है यह जोखिम भरा ऑपरेशन?

विश्व स्वास्थ्य संगठन का स्पष्ट मानक अनदेखी पर सख्त सवाल

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना हैकेवल उन्हीं मामलों में सिजेरियन डिलीवरी होनी चाहिए जब मां और शिशु के जीवन पर खतरा हो। सीएचसी सोहावल में यह दर 22त से अधिक, जो सीधे विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों की अवहेलना है।

सीएचसी अधीक्षक का गैरजिम्मेदाराना जवाबजब इस संबंध में अधीक्षक डॉ. फातिमा से पूछा गया तो उन्होंने डब्लूएचओ के मानकों को ही नकारते हुए कहा- कोई मानक नहीं है। हमारी सीएचसी पर बाहर से केस आते हैं। बेहतर होगा सीएमओ से पूछें। सवाल यह है कि जब एक चिकित्सा अधीक्षक ही मानकों की जानकारी से मुंह मोड़े, तो मरीजों की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा?

अब सवाल उठते हैं

-क्या सीएचसी सोहावल में जननी सुरक्षा योजना का नाम लेकर सिजेरियन का टारगेट पूरा किया जा रहा है?

-क्या ऑपरेशन कराने पर मिलने वाले बजट और इंसेंटिव्स इस गोरखधंधे की जड़ हैं? क्या जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग आंख मूंदे बैठा है?

-स्वास्थ्य सेवाओं को आंकड़ों का खेल बना देना न केवल नैतिक अपराध है, बल्कि महिलाओं की जान के साथ खुला खिलवाड़ है।

सीएमओ से लेकर मंडलीय स्वास्थ्य अधिकारियों को इस पर तत्काल जांच कर जिम्मेदारी तय करनी चाहिए।

गौरव दयाल बने गृह विभाग के सचिव, राजेश कुमार को अयोध्या मंडल की कमान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए मंगलवार रात 23 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। अयोध्या मंडल के कमिश्नर गौरव दयाल को गृह विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी जगह राजेश कुमार को नया मंडलायुक्त बनाया गया है। गौरव दयाल का अयोध्या में लंबा और प्रभावशाली कार्यकाल रहा है। नई नियुक्तियों से आगामी त्योहारों और प्रशासनिक कार्यों को लेकर तैयारियों में तेजी आने की उम्मीद है।

घास काटने वाली मशीन में करंट उतरने से लांस नायक की मौत

अयोध्या।डोगरा रेजीमेंट सेंटर के एमटी पार्क में घास काटते समय करंट लगने से लांस हवलदार नितेश गाटे की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ। नितेश 5 मराठा लाइट रेजीमेंट यूनिट में तैनात थे और महाराष्ट्र के अकोला जनपद के निवासी थे। प्रारंभिक जांच में मशीन में करंट उतरने की आशंका जताई गई है।

ई-पास का खेल, कांटे की चाल...

शिवतर में राशन माफिया का बोलबाला!

जब अंगूठा तो तुम्हारा, लेकिन राशन कम मिले तो ये लोकतंत्र नहीं, लोभतंत्र है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सरकार भले ही गरीबों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत ई-पास मशीन और इलेक्ट्रॉनिक कांटे जैसी पारदर्शी तकनीकों का प्रचार कर रही हो, लेकिन बीकापुर के शिवतर गांव की जमीनी सच्चाई सरकारी दावों को आईना दिखा रही है। यहां कोटेदार की मनमानी और घटतौली की ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जो न सिर्फ लाभार्थियों के हक पर डाका हैं, बल्कि पूरी सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर सवालिया निशान भी।

पुराना कांटा, नई लूट की स्कीम!

शिवतर गांव में कोटेदार द्वारा वितरण के समय सरकारी निर्देशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। पहले लाभार्थियों से ई-पास मशीन में अंगूठा लगवाया जाता है और राशन तत्काल न देकर, उन्हें अगले दिन बुलाया जाता है। फिर पुराने कांटे से घटतौली कर राशन थमाया जाता है जाहिर है, गरीबों को उनके हिस्से का पूरा अनाज नहीं मिलता।

पिकअप पर अंगूठा, बाग में बंटवारा

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो

में साफ देखा जा सकता है कि राशन वितरण न तो सरकारी गोदाम पर हो रहा है और न ही गांव के निर्धारित केंद्र पर। एक बाग में पिकअप वैन खड़ी है, वहीं लाभार्थियों की उंगलियां मशीन पर लगवाई जा रही हैं। नियमों के मुताबिक वितरण स्थल से बाहर राशन बांटना पूरी तरह प्रतिबंधित है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि अंगूठा लगवाने के 5 से 7 दिन बाद राशन दिया जाता है, वह भी कमी के साथ! ऐसे में ग्रामीणों की दोहरी लूट हो रही है पहले इंतज़ार की, फिर तौल की।

जनप्रतिनिधियों की शिकायत, अधिकारी की आश्वासनबाज़ी

इस पूरे मामले की शिकायत क्षेत्र पंचायत सदस्य अनूप पांडेय ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल व जिला खाद्य आपूर्ति विभाग में की है। वहीं पूर्ति निरीक्षक जय नारायण का बयान आया है कि जांच कर दोषी कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सवाल ये है कि जांच कब, और कार्रवाई कितनी सख्त?

स्वराज इंडिया की पड़ताल

–किसके इशारे पर चल रहा है कोटेदार का खेल?

–स्थानीय प्रशासन अब तक आंख मूंदे क्यों बैठा था?

–ई-पास टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल केवल दिखावा तो नहीं?

गरीबों की थाली से अनाज छीनना सबसे बड़ा अपराध है। जब अंगूठा तो तुम्हारा, लेकिन राशन कम मिले तो ये लोकतंत्र नहीं, लोभतंत्र है।

शिक्षक को मिला 'टीएससीटी रत्न' पुरस्कार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।लखनऊ स्थित बी.बी.ए.यू. सभागार में आयोजित टीचर्स सेल्फ केयर टीम (ज्जस्ष्टज्ज) के पंचम स्थापना दिवस समारोह में कानपुर देहात के शिक्षक को फ्ज्जस्ष्टज्ज रत्न पुरस्कारफ्र से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें शिक्षा क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान और समाज में प्रेरणादायक कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

» टीचर्स सेल्फ केयर टीम (TSCT) ने पंचम स्थापना दिवस पर शिक्षकों को किया सम्मानित,

» लखनऊ में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ भव्य आयोजन

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने पहुंचे भारत सरकार की केंद्रीय मंत्री माननीय अनुप्रिया पटेल, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल तथा वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री की उपस्थिति में यह पुरस्कार श्री अग्निहोत्री द्वारा प्रदान किया गया।

पुरस्कार प्राप्त शिक्षक ने सम्मान पाकर गर्व और खुशी व्यक्त करते हुए TSCT के प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक श्री विवेकानंद, सह-संस्थापक व प्रदेश महामंत्री सुदेश पांडे तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष संजीव रजक के प्रति आभार प्रकट किया, जिनके अनुमोदन पर यह पुरस्कार उन्हें मिला।

साथ ही उन्होंने TSCT कानपुर देहात के जिला संयोजक और पूरी कोर टीम के पदाधिकारियों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने जनपद स्तर पर उनके नाम की अनुशंसा की।

यह सम्मान न केवल शिक्षक की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि जिले के समस्त शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

बिजली संकट पर भड़के अखिलेश यादव, बोले भाजपा जाए तो रोशनी आए

» लखनऊ से रिपोर्ट

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में बिजली संकट को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ट्रांसफॉर्मर उड़ चुके हैं, मंत्री और अधिकारियों के बीच तालमेल खत्म हो गया है और जनता के भरोसे के खंभे उखड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि जनाक्रोश का मीटर तेजी से चढ़ रहा है और प्रदेश की जनता हर रोज अघोषित बिजली कटौती से जूझ रही है।अखिलेश यादव ने कहा, प्रदेश में अब बिजली नहीं, सिर्फ बिजली का बिल आ रहा है और वह भी इतना कि लोगों की जेबें कट रही हैं। समाजवादी सरकार के कार्यकाल में बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए किए गए सभी प्रयासों को भाजपा सरकार ने पिछले 9 वर्षों में बर्बाद कर दिया। न गांवों में बिजली है, न कस्बों में और अब तो बड़े शहरों व जिला मुख्यालयों तक में घंटों बिजली कटौती हो रही है।उन्होंने राजधानी लखनऊ का हवाला देते हुए कहा कि यहां तक की राजधानी के लोग भी जब बिजली के लिए प्रदर्शन करने को मजबूर हैं, तो ग्रामीण इलाकों की हालत की सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। जब तक लोग उपकेंद्रों पर प्रदर्शन नहीं करते, सरकार को होश नहीं आता, अखिलेश ने कहा।

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने पूरे कार्यकाल में बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए एक भी नई यूनिट शुरू नहीं की। आज जो भी बिजली मिल रही है, वह समाजवादी सरकार के समय बनाए गए पावर प्लांट्स से आ रही है।

उन्होंने बिजली चेकिंग के नाम पर किसानों और व्यापारियों से की जा रही वसूली पर भी सवाल उठाया और कहा कि भाजपा सरकार हर विभाग में भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बना रही है। बिजली मंत्री का जनता द्वारा जगह-जगह घेराव किया जाना इसका प्रमाण है।अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा की डबल इंजन सरकार बिजली देने में पूरी तरह फेल हो गई है। अब जनता कह रही है - भाजपा जाए तो रोशनी आए।

अवसानेश्वर मंदिर हादसे में युवक की असामयिक मौत

» अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। थाना लोनी कटरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत हुसैनाबाद के मुबारकपुर (हुलासी खेड़ा) निवासी राम कृपाल रावत के 17 वर्षीय पुत्र प्रशांत कुमार रावत की असामयिक मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया।अवसानेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के दौरान हुए हादसे में करंट लगने से प्रशांत की मृत्यु हो गई थी। मंगलवार को जब उनका अंतिम संस्कार किया गया, तो हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे।

अंतिम संस्कार में हैदरगढ़ के क्षेत्रीय विधायक दिनेश रावत, भाजपा नेता सुनील सिंह, ग्राम प्रधान हुसैनाबाद पिंटू वर्मा, प्रधान मोहम्मदपुर अभय प्रताप सिंह गुड्डू, प्रधान बेलहरी अजय प्रताप सिंह चौहान, मनोज सिंह चिलूला, ग्राम पंचायत सचिव पवन गौतम, निर्देश शर्मा, विनय शुक्ला, थाना प्रभारी अभय कुमार मौर्य व क्षेत्राधिकारी समीर कुमार सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई।

इस दु:खद अवसर पर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दी गई 5 लाख की आर्थिक सहायता के लिए क्षेत्रवासियों ने आभार व्यक्त किया।

पूरे गांव में शोक की लहर है। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस असीम पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

छत के रास्ते दो घरों में घुसे चोर

» नकदी व जेवरात समेत दो लाख की चोरी

स्वराज इंडिया संवाददाता

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी। थाना लोनी कटरा क्षेत्र के अशरफपुर गांव में सोमवार रात अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए नकदी व कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए और बक्सों के ताले तोड़कर करीब दो लाख रुपये के सामान की चोरी कर ले गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अशरफपुर निवासी गनेश के घर में चोर छत के रास्ते घुसे और बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे 15 हजार रुपये नकद, 20 किलो पोस्ता दाना, और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। कुछ दूरी पर स्थित रोहित के घर को भी चोरों ने निशाना बनाया, जहां से 7 हजार रुपये नकद और जेवरात चोरी हो गए।घटना की जानकारी मंगलवार सुबह होने पर पीड़ितों ने थाना लोनी कटरा में लिखित शिकायत दर्ज कराई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग की है।

मंदिर में युवक का शव फंदे से लटका मिला ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

त्रिवेदीगंज। थाना लोनी कटरा क्षेत्र के जौरास निवासी मोहित रावत (25) का शव मंगलवार को ससुराल गांव भागू का पुरवा में एक मंदिर में संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला।

मंदिर परिसर में बरामदे के हुक से शव झूलता मिला, जबकि पैर जमीन से लगे थे, जिससे मामला संदिग्ध बन गया।मृतक की मां तारावती ने ससुराल वालों पर हत्या कर फंदे से लटकाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। थाना अध्यक्ष अभय मौर्य ने बताया कि जांच जारी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

दरिंदगी : पत्नी ने बॉयफ्रेंड संग मिलकर पति को जिंदा जलाया

पत्नी अंकिता, प्रेमी डॉ. अय्यूब समेत चार के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बागपत। बागपत जिले में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां पत्नी और उसके प्रेमी ने कथित रूप से पति को जिंदा जला डाला। कंडेरा निवासी सन्नी की मौत के बाद पुलिस ने पत्नी अंकिता, प्रेमी डॉ. अय्यूब समेत चार के खिलाफहत्या की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जिसमें एक युवक को उसकी पत्नी और कथित प्रेमी ने मिलकर जिंदा जला दिया। यह सनसनीखेज वारदात क्षेत्र में आक्रोश और भय का माहौल पैदा कर रही है। मृतक सन्नी के पिता वेदपाल की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी अंकिता, प्रेमी डॉ. अय्यूब, एक महिला बेबी और चाचा सुशील के खिलाफ हत्या की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे गुस्साए ग्रामीणों ने प्रदर्शन

किया और प्रशासन से जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मूल रूप से कंडेरा गांव निवासी वेदपाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका 25 वर्षीय बेटा सन्नी शादी के बाद से ही परेशान चल रहा था। एक साल पहले उसकी शादी गढ़ी कांगरान गांव निवासी अंकिता से हुई थी। शुरुआत से ही दोनों के बीच संबंध अच्छे नहीं थे, लेकिन परिवार ने रिश्ते को संभालने की कोशिश की। 22 जुलाई को सन्नी बाइक से हरिद्वार गंगाजल लेने के लिए निकला था। वह जब गढ़ी कांगरान गांव के पास पहुंचा तो रास्ते में पहले से घात लगाए चार लोगों ने उसे रोक लिया और गांव के भीतर ले जाकर उसकी बेरहमी से पिटाई की और बाद में पेट्रोल छिड़ककर उसे आग के हवाले कर दिया गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिवारजन झुलसे हुए सन्नी को मेरठ के एक अस्पताल ले गए।

हालत ज्यादा बिगड़ने पर उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया, जहां 26 जुलाई को उसकी मौत हो गई। तहरीर में वेदपाल ने आरोप लगाया कि सन्नी की पत्नी अंकिता का एक अन्य युवक डॉ. अय्यूब के साथ प्रेम संबंध था। इसी संबंध के चलते सन्नी की हत्या की साजिश रची गई।

आरोपियों के नाम : अंकिता (पत्नी), डॉ. अय्यूब (प्रेमी), बेबी (महिला सहयोगी), सुशील (चाचा)। पुलिस ने इन चारों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 120बी (षड्यंत्र), 147/148 (दंगा और हथियारों से लैस होकर हमला), और 307 (हत्या का प्रयास) में मामला दर्ज कर लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मौत पर जताया दुख, सीएम सोरेन ने मदद का दिलाया भरोसा

झारखंड के देवघर में हुए सड़क हादसे में हुईं मौत पर पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम हेमंत सोरेन व सासंद निशिकांत दुबे ने गहरा शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को झारखंड के देवघर में हुए सड़क हादसे में हुईं मौतों पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सीएम सोरेन ने भी जताया दुख : वहीं, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस घटना पर दुख जताते हुए घायलों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज सुबह देवघर जिला अंतर्गत मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु की अत्यंत दुःखद सूचना प्राप्त हुई। जिला प्रशासन राहत, बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

कार्यशाला

उत्तर प्रदेश में सर्पदंश से बचाव पर कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया

सर्पदंश से बचाव को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान कर रही जागरूक

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ, के सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने फाउंडेशन फॉर पीपल-सेंट्रिक हेल्थ सिस्टम्स, नई दिल्ली के सहयोग से मंगलवार को उत्तर प्रदेश में सर्पदंश (स्नेक बाइट) से बचाव पर केंद्रित तीन महत्वपूर्ण कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में मुख्य रूप से स्वास्थ्य प्रशासन, डॉक्टरों और मीडिया से जुड़े प्रमुख लोगों ने भाग लिया और सर्पदंश की रोकथाम एवं इलाज से जुड़े चिकित्सा, नीतिगत व जागरूकता संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।

स्वराज इण्डिया के प्रमुख संवाददाता (लखनऊ) ने डॉ राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में सर्पदंश से जागरूकता हेतु आयोजित कार्यशाला में विषय की उपयोगिता, वर्तमान परिदृश्य, वैश्विक आंकड़ों, बचाव के उपाय आदि कारकों पर रिपोर्ट तैयार की।

इस कार्यशाला में डॉ. चंद्रकांत लहरिया जो कि एफपीएचएस के संस्थापक निदेशक के साथ प्रसिद्ध जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं, ने सर्पदंश से जागरूकता व बचाव हेतु राष्ट्रीय दिशा-निदेर्शों और राज्य स्तरीय रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की, जो कि 'सर्पदंश रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीएसई)' के अनुसार हैं। इसके अलावा डॉ. पंकज सक्सेना, संयुक्त निदेशक, डीजीएमएच, उत्तर प्रदेश सरकार व राज्य नोडल अधिकारी (सर्पदंश) ने सर्पदंश से बचाव और प्रबंधन से जुड़े हालिया अपडेट साझा किए। बता दें कि भारत में सर्पदंश एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या है, जिससे अनुमानित तौर पर हर साल लगभग 49,000 लोगों की मृत्यु होती है, जिनमें से विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक मौतें होती हैं। डॉ. लहरिया ने बताया कि यदि समय पर एंटी-स्नेक वेनम सीरम (एएसवीएस) दिया जाए और मानकीकृत रेफरल प्रक्रिया अपनाई जाए तो सर्पदंश से होने वाली मौतें पूरी तरह से रोकी जा सकती हैं।

सर्पदंश होने पर इन बातों का रखें ख्याल

प्रो. सी एम सिंह ने कहा कि जब कभी किसी को सांप द्वारा डंस लिया जाए तब इस स्थिति में जरा सा भी घबराना नहीं चाहिए। न ही हिलाना-डुलाना है। जहां सांप ने डंसा हो, वहां न तो किसी तरह की चीर-फाड़ (कट) करनी है और न ही मुंह से खून चूसना है क्योंकि इस अवस्था में यह जानलेवा हो सकता है। सर्पदंश की अवस्था में सामान्य अवस्था में एक जगह बैठ या लेट जाना है क्योंकि घबराहट में ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है जिससे लकवाग्रस्त होने के चांस बढ़ सकते हैं। इसलिए ऐसी अवस्था में सीधे नजदीकी हेल्थ सेंटर पर जाकर 'एंटी स्नेक वेनम' का डोज ही लेना चाहिए। इसके अलावा सांप द्वारा डंसे गए भाग पट्टी या कपड़ा नहीं बांधना है क्योंकि इससे गैंगरिन की सम्भावना भी हो सकती है जिसकी वज़ह से उस अंग को कांटना भी पड़ सकता है।